Roll No. 2025017716 Total Pages : 04

NBAE/D-25 5

HINDI BHASHA EVAM ADHUNIK KAVITA

B23-HIN-101

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 70

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । दिशा-निर्देश अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3×8=24**

(i) भाषा का अर्थ स्पष्ट कीजिए तथा इसके विभिन्न आयामों पर चर्चा कीजिए ।

(ii) भाषा की प्रकृति एवं उसकी प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

(iii) भाषा और संप्रेषण के पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डालिए।

(iv) भाषा बन जाने के कारण बताइए ।

(v) मानव जीवन में भाषा के महत्त्व का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

(vi) भाषा के विराट स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×6=18

(क) सब तीर्थों का एक तीर्थ यह, हृदय पवित्र बना लें हम
आयो, यहाँ अजातशत्रु बन, सबको मित्र बना लें हम
रेखाएँ प्रस्तुत हैं अपने, मन के चित्र बना लें हम
सौ-सौ आदर्शों को लेकर, एक चरित्र बना लें हम ।
सबका शिव कल्याण यहाँ, पावें सभी प्रसाद यहाँ ॥

अथवा

जब पल भर का है मिलना, फिर चिर वियोग में झिलना
एक ही प्राप्त है खिलना, फिर सूख धूल में मिलना
तब क्यों चटकीला सुमन रंग ? संसृति के विक्षत पर रे !
यह चलती है डगमग रे ! अनुलेप सदृश तू लग रे !
मृदु दल बिखरे इस मृग रे ! कर चुके मधुर मधुपान भृंग ।

(ख) छाया में दुःख के अंतःपुर का उद्घाटित द्वार
छोड़ बंधुओं के उत्सुक नयनों का सच्चा प्यार
जाते हो तुम अपने पथ पर, स्मृति के गृह में रखकर
अपनी सुधि के सज्जित तार, पूर्ण मनोरथ आए-तुम आए :
रथ का घर्घर-नाद, तुम्हारे आने का संवाद ।

अथवा

मैं न वह जो स्वपन पर केवल सही करते
आग में उसको गला लोहा बनाता हूँ
और उस पर नींव रखता है नये घर की
इस तरह दीवार फौलादी उठाता हूँ ।

(ग) दुर्गम बर्फ़ानी घाटी में
रात सहस्त्र फुट ऊँचाई पर, अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल के पीछे धावित होकर
तरल-तरुण कस्तूरी मृग को, अपने पर चिढ़ते देखा है ।
बादल को घिरते देखा है ।

अथवा

मैं न बोला किन्तु मेरी रागिनी बोली
देख फिर से चाँद ! मुझको जानता है तू ?
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं ? है यही पानी ?
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू ?
आदमी का स्वपन ? है वह बुलबुला जल का ।

3. रामधारी सिंह दिनकर **अथवा** नागार्जुन का साहित्यिक परिचय दीजिए । 6

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×7=14

(i) 'जयशंकर प्रसाद' के कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'बादलराग' कविता का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'परंपरा' कविता का सारांश लिखिए ।

(iv) 'उनको प्रणाम' कविता की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

5. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : 8×1=8

(i) 'आँसू' कविता का प्रकाशन वर्ष बताइए ।

(ii) नागार्जुन की मृत्यु कब हुई ?

(iii) 'तोड़ती पत्थर' कविता में किसका वर्णन है ?

(iv) 'चाँद और कवि' कविता किस काव्यसंग्रह में संकलित है ?

(v) भाषा किसे कहते हैं ?

(vi) 'भाषा और समाज' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

(vii) निराला को कौनसे पुरस्कार मिले थे ?

(viii) 'मातृमन्दिर' में कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

❖❖❖❖❖❖❖